**Календарно-тематическое планирование по Родной (татарской ) литературе**

**Туган (татар) әдәбияты 9сыйныф - 34 дәрес**

**I чирек (8 сәгать)**

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **№** | **Дәрес темасы** | **Сә-** | **Үткәрү** |  |
|  |  | **гать** | **вакыты** |  |
|  |  | **саны** | **План** | **Факт** |
|  |  |  |  |  |
| 1 | Халык авыз иҗаты( Устное народное творчество).- Дастаннар. “Идегәй” дастаны.  (Эпосы. Эпос “Идегэй”) | 1 |  |  |
| 2 | Кол Гали “Кыйссаи Йосыф”( Кул Гали “Рассказ про Юсуф”) | 1 |  |  |
| 3 | Сәйф Сараи “Сөһәйл вә Гөлдерсен” (С.Сараи “Сухаил и Гульдерсен”) | 1 |  |  |
| 4 | “Таһир белән Зөһрә”(рассказ “Тагир и Зухра” ) | 1 |  |  |
| 5 | Габделҗаббар Кандалый, Ризаэтдин Фәретдин иҗатлары. –( Творчество Г.Кандалый и Р.Фахретдин) | 1 |  |  |
| 6-8 | Фатих Әмирхан “Хәят” повесте(Ф.Амирхан “Хаят”) | 3 |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | | **2 чирек (8 сәгать)** | | |  | |  |  |
|  | |  | | |  | |  |  |
| 1-3 | | Аяз Гыйләҗев “Җомга көн кич белән” (А.Гилязов “В пятницу вечером”) | | 3 |  | |  | | | |
| 4-5 | | Рөстәм Мингалим “Сап-сары көзләр”( Р.Мингалим “Золотая осень») | | 2 |  | |  | | | |
| 6 | | Р. Ахметзянов. «Сандугач керде күңелгә» ( «Соловей поет».) | | 1 |  | |  | | | |
| 7 | | Сания Әхмәтҗанова иҗаты (Творчество С.Ахметзяновой” | | 1 |  | |  | | | |
| 8 | | Мөхәммәт Мирза иҗаты. (Творчество М.Мирза) | | 1 |  | |  | | | |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | **3 чирек (10 сәгать)** | | |  | |  |  | |
|  |  | | |  | |  |  | |
| 1 | | Фирүзә Җамалетдинова иҗаты. (Творчество Ф.Замалетдиновой) | 1 |  | |  | | |
| 2 | | Илсөр Иксанова иҗаты (Творчество И.Иксановой) | 1 |  | |  | | |
| 3-4 | Г. Камал. «Беренче театр» ( «Первое представление».) | 2 |  | |  | | |
| 5-6 | Г. Абсалямов. «Ак чәчәкләр»( «Белые цветы» (отрывок)) | 2 |  | |  | | |
| 7-8 | Мөхәммәт Мәһдиев “Фронтовиклар” (М.Махдиев “Фронтовики”) | 2 |  | |  | | |
| 9 | Рәдиф Гаташ “Укытучы, Ф Яруллин “Сез иң гүзәл кеше икәнсез” (Р.Гаташ “Учитель”,  Ф Яруллин “Вы очень красивый человек”) | 1 |  | |  | | |
| 10 | Хәсән Сарьян «Әткәм һөнәре» (Х.Сарьян “Профессия отца”) | 1 |  | |  | | |

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  | **4 чирек (8 сәгать)** |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 1-2 | Гариф Ахунов “Хәзинә” романыннан өзек –(Г.Ахунов “Сокровище”) | 2 |  |  |
| 3 | Хисам Камалов “Очучы” – (Х.Камалов “Лётчик”) | 1 |  |  |
| 4 | Мәдинә Маликова “Казан каласы-таш кала” (М.Маликова “Казань”) | 1 |  |  |
| 5 | Салисә Гәрәева “Сварщик егет”, “Токарь” (С.Гараева «Сварщик», «Токарь») | 1 |  |  |
| 6 | Казандагы һөнәри уку йортлары -(Профессиональные учебные заведения Казани) | 1 |  |  |
| 7 | | Г. Тукай. «Татар кызларына» («Татарским девушкам».) | 1 |  |  |
| 8 | Ел буена үткәннәрне кабатлау. Тест/Повторение | 1 |  |  |